तर्ज-- दिल के अरमां

देख ली माया जो दिखलाई धनी
ले चलो अब तो ये ना भायी धनी

1--भूल की चाहत जो इसकी हमने की
होना था वो हो गया मेरे धनी

2--ये तो माया खूबसूरत है बड़ी
देखकर हम तो लुभाई धनी

3--कह रहें है धाम अब ले कर चलो
क्या गुनाह हम कर रहे मेरे धनी

4--बेनियाजी थी बहुत भोली थी हम
सोचा ना कोई खेल भी ऐसा हो धनी

5--माफ कर दो जो खता हमने की
ठोकरें हम खा चुके मेरे धनी

Nijanand App